

पाठ— 38 युधिष्ठिर की वेदना

युद्ध समाप्त होने के बाद युधिष्ठिर पाँचों भाइयों सहित धृतराष्ट्र से मिलने गए ।

धृतराष्ट्र का भीम के प्रति विशेष क्रोध था इसलिए उसने भीम की प्रतिमा तक को चूर—चूर कर दिया ।

धृतराष्ट्र को विलाप करते हुए देखकर श्रीकृष्ण ने कहा कि आपने लोहे की प्रतिमा को चूर—चूर किया है; भीमसेन जीवित है ।

पांडु पुत्र सभी से आशीर्वाद लेकर भीष्म से मिलने गए । उन्होंने युधिष्ठिर को धर्म का मर्म समझाया और उपदेश भी दिया ।